समग्र गव्य विकास योजना की सफलता की कहानी

1. श्री ब्रजेश कुमार, ग्राम– कोरैय, बेगूसराय की "समग्र गव्य विकास योजना" में सफलता की कहानी–

श्री ब्रजेश कुमार,

पिता – श्री अर्जुन सिंह,

ग्राम +पो0 – कोरैय,

प्रखंड – गढ़पुरा,

जिला – बेगूसराय

मोबाईल नं0 – 9570497296

श्री ब्रजेश कुमार कहते है कि मैं ISM, धनबाद से तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के बाद ऐसे मौके के तलाश में था, जिसमें गाँव में रहकर हीं कृषि एवं उससे जुड़े व्यवसाय कर सकें। ऐसे में उन्हें साथ मिला गव्य विकास निदेशालय का। उन्हें विभिन्न माध्यमों से पता चला कि गव्य विकास निदेशालय, बिहार सरकार गौपालन के लिए समग्र गव्य विकास योजना का कार्यान्वयन कराया जाता है। तब उन्होने जिला गव्य विकास कार्यालय से सम्पर्क किया तथा वहाँ से 20 गायों का एक योजना का लाभ लिया तथा समग्र गव्य विकास योजना अन्तर्गत रू0 7,50,000/– का अनुदान मिला। आज श्री कुमार के पास कुल 40 गाय है।

गव्य निदेशालय के द्वारा न केवल उन्हें अनुदान पर गाय दिया गया अपितु डेयरी को सफल बनाने हेतु उन्हें निः शुल्क प्रशिक्षण भी मुहैया कराया गया, जिससे उन्हें चौतरफा लाभ हुआ। डेयरी को कैसे हम बेहतर तरीके से संचालन कर सकते हैं और लाभकारी सिद्ध हो, इसके लिए उन्हें विभिन्न संस्थानों में

प्रशिक्षण के लिए भेजा गया। इस हेतु स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से संबंधित प्रशिक्षण के लिए NDRI, करनाल भेजा गया। उसके बाद फिर गोबर गोमुत्र का कैसे उपयोग कर कृषि को कैसे आगे बढ़ा सके, उसके लिए उन्हें गौ विज्ञान संस्थान, देवलापार, महाराष्ट्र ले जाया गया, वहाँ पर प्रशिक्षण दिया गया।

आज एक तरफ श्री कुमार डेयरी का संचालन कर सुधा को दुध की आपूर्ति कर रहे हैं। वहीं डेयरी से निकलने वाले अपशिष्ट गोबर से वर्मी कम्पोस्ट के व्यवसाय को गुणोतर वृद्धि की है। डेयरी की सफलता के वाद श्री कुमार पिछे मुड़कर नहीं देखें। आज ब्रजेश कुमार द्वारा Animal Feed फैक्ट्री का संचालन के साथ–साथ बरौनी डेयरी को दूध की आपूर्त्ति कर रहे है तथा साथ हीं साथ आदर्श किसान सेवा केन्द्र, कौरैय में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त माइक्रो ट्रेनिंग सेंटर का संचालन कर रहे है। इस क्षेत्र में अभी तक श्री सिंह द्वारा 10,000 से अधिक कृषकों को ट्रेनिंग दिया जा चुका है।

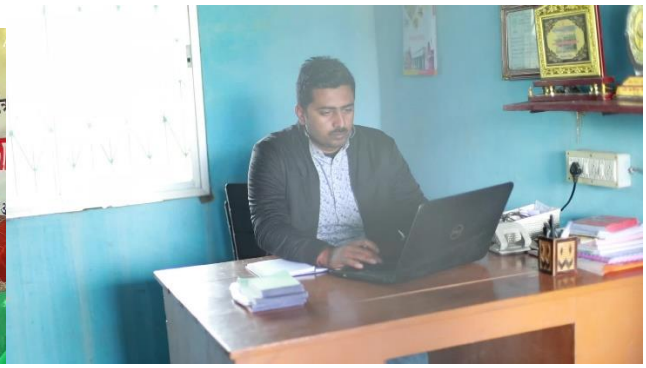

गव्य पालन एवं डेयरी प्रक्षेत्र में ब्रजेश कुमार द्वारा किए गए प्रयोग अत्यंत सफल हो रहे हैं, जिसकी तारीफ देश के प्रधानमंत्री ने भी की है। ब्रजेश की डेयरी इकाई आज राज्य में मॉडल के रूप में उभरा है, जिसमें ब्रजेश कुमार को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त किया, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय पहचान भी दिलाई।

संदेश :–

श्री ब्रजेश कुमार के पास Technology का ज्ञान है, तथा उसमें पढ़ाई भी की है। उसके बाद भी डेयरी व्यवसाय को चुने है यही चीज युवाओं को प्रेरणा देने वाली है।

समाप्त।